अमर उजाला ने मेधावियों में बजाया यौन-डॉक्टर का डंका

Written by कुमार सौवीर
Friday, 08 June 2018 20:43

: अमर उजाला की गजब पहल, सीबीएसई के मेधावी बच्चों को बाजारू यौन-विशेषज्ञों के विज्ञापनों से रू-ब-रू कराया : श्रेष्ठतम नंबर के साथ उत्तीर्ण मेधावियों की खबर के साथ खिचड़ी पका डाली यौन चिकित्सक के साथ : पैसा कमाने की मशीन बन गए अखबार अब बेशर्मी की हर सीमा पार करने पर आमादा :

लिंग शिथिलता
नामर्दी
शीघ्र पतन
कमजोरी
छोटापन

अनुपम को जिले में पहला स्थान

अतीक खां को दूसरा, अमजद और अभिनव संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे

परीक्षा परिणाम के लिए सुबह से ही बेचैन रहे छात्र छात्राएं

करिश्मा जैन 96.2 %

रोहित राजदान 94%

रोशनी 96.6 %

चंदन सोनी 94 %

कई स्कूलों का शत-प्रतिशत रिजल्ट

कैंद्रीय विद्यालय चोपन की रोशनी को 96.6 फीसदी अंक

परीक्षा परिणाम ने बढ़ाया बच्चों का हौसला, खुशी से उछले

स्कूलों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों ने छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

मंदिरों में सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए भीड़

वैज्ञानिक बनना चाहते हैं अनुपम

कुमार सौवीर

सोनभद्र : पिछले दिनों मैं सोनभद्र में था। पत्रकारिता दिवस पर आयोजित एक समारोह में वक्ता के तौर पर मुझे बुलाया गया था। उस दौरान अमर उजाला अखबार के पन्ने पलटते मैं चौंक पड़ा। आप भी अब जरा देखिये कि किस तरह मेधावी बच्चे अपने सपने बुनने का ऐलान कर रहे हैं, और दूसरी ओर अमर उजाला उन्हें यौन-समस्याओं का बेशर्मी के साथ ककहरा सिखा रहा है।

दृश्य-एक : सीबीएसई का रिजल्ट निकल गया है। अच्छे नंबरों पर पास सारे बच्चे झूम रहे हैं। पत्रकारों से अपनी खुशी बांट रहे हैं यह मेधावी बच्चे, और बता रहे हैं कि वह भविष्य में क्या बनना चाहेंगे। कोई डॉक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर बनना चाहता है, तो कोई आईएएस और आईपीएस बन कर देश की सेवा करना चाहता है। अपनी मेहनत की जीत वाली मस्ती और खुशियों का सैलाब बह रहा है।

दृश्य-दो :- अमर उजाला के विज्ञापनवाले इस मौके पर दोनों हाथों से पैसा बटोर रहे हैं। हर बिकाऊ चीज बेचने वाले हर शख्स या संस्थान से विज्ञापन लिया जा रहा है। रकम गिनी जा रही है। विज्ञापन बुक हो रहे हैं। पेज की सजावट तैयार की जा रही है। तय किया जा रहा है कि कौन सा विज्ञापन किस पेज पर लगाया जाएगा, ताकि एक खास पाठक वर्ग को आकर्षित कर अपने कस्टमर को प्रभावित कर सकें। जाहिर है कि हर तरफ विशुद्ध व्यावसायिक एक खास एजेंडे के तहत काम चल रहा है।

पत्रकारिता से जुड़ी खबरों को देखने के लिए निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए :-

1 / 4

अमर उजाला ने मेधावियों में बजाया यौन -डॉक्टर का डंका

Written by कुमार सौवीर
Friday, 08 June 2018 20:43

2 / 4

Written by कुमार सौवीर
Friday, 08 June 2018 20:43

□□□□□□□ □□□□□□□□□□

□□□□□-□□□ :30 मई के अखबार में यह दोनों ही □क साथ छप गये हैं□ पहले दृश्□य के साथ ही साथ दूसरे दृश्य का मैटर भी □कही पेज पर प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है□ लेकिन दोनों ही आमने-सामने और □क दूसरे को चुनौती देते हु□ दिख रहे हैं□ □कही पन्ने पर यौन रोग, पतलापन, धात गिरना, लिंग छोटा होना, कमजोरी आना, बेचैनी और यौन समस्याओं के इलाज के शर्तिया ठेकेदार जैन क्लीनिक वालों का पूरे □क कॉलम का लम्□बा विज्□ञापन छप गया है□ और उसके बगल में ही छपा है उन मेधावी बच्चों के सपने, उनकी कल्□पना□ं, उनकी प्राप्तियां, उनकी खुशी और उनके हौसलों का पूरा जिक्□

सवाल यह है आखिरकार अमर उजाला क्या दिखाना चाहता है□ जाहिर है कि इस दृश्य-दो को देखकर दृश्□य-□क वाले बच्□चों का अपने सपनों से विचलित हो जा□गा और वह जैन क्लीनिक का अता-पता, नंबर और अपने शारीरिक बनावट की जांच पड़ताल में जुड़ जा□गा□ इन हालातों में कोई भी बच्□चा बाध्□य हो जा□गा कि वह जैन क्लिनिक वाले विज्□ञापन पर प्रभावित हो जा□□ ऐसे में उसका अध्□ययन, उसके सपने, उसकी कल्□पना□ं, उसकी निष्□ठा, समर्पण वगैरह काफी कुछ तबाह होगा□

□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□:-

□□□□□□□

दोस्तों यह बहुत बुरी स्थिति है□ हम □क तरफ तो अखबार के नाम पर स्वच्छता और पारिवारिक माहौल देने के दावे करते है लेकिन साथ ही साथ नये उदीयमान मेधावियों को विचलित करने की साजिश भी कर रहे हैं□ वह भी चंद पैसों के लि□□ शर्म की बात है कि अमर उजाला में इस विज्□ञापन को किसी अन्य पृष्ठ पर छापने के बजाय, सीधे उन मेधावियों के पास ही ठीक सामने पेश कर दिया□ क्या □क साजिश के तहत था कि वह मेधावियों को उस तथाकथित यौन-विशेषज्□ञ वाले जैन क्लीनिक के भविष्□य के उपभोक्ता में तब्दील करना चाहता है□

Written by कुमार सौवीर
Friday, 08 June 2018 20:43